परिणाम की घोषणा

राष्ट्रीय अभिलेखागार के लिए प्रतीक और आदर्श-वाक्य के डिजाइन हेतु प्रतियोगिता

राष्ट्रीय अभिलेखागार ने इसके 125 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विभाग का प्रतीक/लोगों और आदर्श-वाक्य/टैगलाइन का डिजाइन करने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन किया था

प्रतियोगिता के लिए निर्देशात्मक विज्ञापन को दिनांक 22 जुलाई 2015 को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दैनिकों सहित 32 अखबारों में प्रकाशित किया गया था। यह विभाग की वेबसाइट और साथ ही सोशल मीडिया पेज पर भी उपलब्ध कर दिया गया था। इसके अलावा प्रतियोगिता को माइजीओवी पोर्टल के क्रिएटिव कॉर्नर पर भी आयोजित किया गया था और प्रतिभागियों से प्रविष्टियां प्राप्त करने के लिए अंतिम तिथि 15 अगस्त 2015 थी।

विज्ञप्ति के के जवाब में विभिन्न स्त्रोतों से कुल 235 प्रविष्टियां प्राप्त हुई, जिसमें 186 प्रविष्टियां माइजीओवी प्लेटफार्म से प्राप्त हुई थी, 48 प्रविष्टियां ईमेल द्वारा और एक प्रविष्टि डाक द्वारा प्राप्त हुई थी। सभी प्रविष्टियों को जांच समिति के समक्ष रखा गया था और जांच समिति द्वारा 17 शॉर्टलिस्टेड प्रविष्टियों को चुना गया जिसे विभाग के प्रतीक आदर्श वाक्य को अंतिम रूप देने के लिए मूल्यांकन समिति के समक्ष रखा गया था।

मूल्यांकन समिति द्वारा यह पाया गया कि, जनसाधारण स्त्रोतों से प्राप्त कोई भी प्रविष्टि राष्ट्रीय अभिलेखागार के कार्य की प्रकृति और प्रवृत्ति के लिए उचित नहीं है। अतः सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि, एनआईए संस्मारक सिक्के हेतु उपयोग करने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा मंजूर किए गए विभाग के मुख्य भवन का रेखाचित्र उसके प्रतीक/लोगों के रूप में उपयोग कर सकता है।

इसके अतिरिक्त समिति ने प्रतीक/लोगों के साथ 'वयं अभिलेखान् रक्षामः' Vyam Abhilekhan Rakshamah (हम अभिलेख का संरक्षण करते हैं।) टैग लाइन का उपयोग करने को मंजूरी दी है।

महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार 125 वें स्थापना वर्ष समारोह अवसर पर आयोजित की गई सर्जनात्मक प्रतियोगिता में सहभागी हुए सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हैं और उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों हेतु शुभकामनाएं देते हैं।

(राजमानी)

सहायक निदेशक, अभिलेखागार

और कार्यक्रम की संयोजक

संलग्न: टैगलाइन के साथ प्रतीक

टैगलाइन के साथ राष्ट्रीय अभिलेखागार का अंतिम प्रतीक